भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3942
दिनांक 25 मार्च, 2025

नई कृषि प्रौद्योगिकियां और बीजों की किस्में

3942. श्री कोटा श्रीनिवास पूजारी :

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हाल ही में आयोजित कृषि मेले के दौरान प्रदर्शित की गई नई कृषि प्रौद्योगिकियों और बीजों की किस्मों का ब्यौरा क्या है;

(ख) तकनीकी सत्रों और किसान-वैज्ञानिकों के परस्पर विचार-विमर्श में शामिल किए गए मुख्य विषयों का ब्यौरा क्या है;

(ग) इस मेले में उन्नत कृषि-विकसित भारत विषय पर अपने कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों में किस प्रकार ध्यान दिया गया है;

(घ) क्या इस कार्यक्रम में कोई महत्वपूर्ण घोषणाएं अथवा नीतिगत पहल शुरू की गई हैं; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री
(श्री भागीरथ चौधरी)

(क) : दिनांक 22-24 फरवरी, 2025 के दौरान आयोजित किए गए पूसा कृषि विज्ञान मेले में 7 प्रमुख कृषि फसलों की नवीन अधिक पैदावार वाली कुल 79 किस्मों, फलदार फसलों की 11 किस्मों और सब्जी फसलों की 31 किस्मों को प्रदर्शित किया गया था। इसके अलावा, मेले में किए गए प्रदर्शनों में शामिल था : 18 जैव-उर्वरकों और जैव-फार्मूलेशन की प्रौद्योगिकियां; मृदा जांच उर्वरक संस्तुति मीटर; जिंक से भरपूर नैनो क्ले पॉलीमर कंपोजिट; स्पीडी सीड वायबिलिटी किट™; ब्रूकिड प्रबंधन के लिए पॉलीमर कम्पोजिट बीज कोटिंग; प्यूमेलो छिलका तथा चावल की भूसी से निष्कर्षित नैनो सैलुलोज़; इन्स्टेंट नूडल्स के लिए मटर की फली का पाउडर; स्नैक पफ में अधिक पके हुए केलों का पाउडर तथा बाय-प्रोडक्ट से क्रियाशील मफिन। मेले में 8 नए कृषि उपकरणों को भी प्रदर्शित किया गया।

(ख) : तकनीकी सत्रों और किसान-वैज्ञानिक पारस्परिक वार्ता में शामिल किए गए मुख्य विषयों का सत्र-वार विवरण इस प्रकार है :

सत्र 1 : जलवायु-अनुकूल कृषि के लिए प्रौद्योगिकियां; सत्र 2 : फसल विविधीकरण; सत्र 3 : डिजिटल कृषि; सत्र 4 : कृषि मार्केटिंग एवं निर्यात; सत्र 5 : एफपीओ-स्टार्ट अप संपर्क; सत्र 6 : युवाओं एवं महिलाओं का उद्यमशीलता विकास; तथा सत्र 7 : इनोवेटिव किसान बैठक

(ग) : किसानों, युवाओं और महिलाओं को नई किस्मों और प्रौद्योगिकियों के बारे में जागरूक बनाया गया और शिक्षित किया गया। इसके लिए उन्हें भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा विकसित प्रमुख किस्मों और प्रौद्योगिकियों को प्रत्यक्ष रूप में दिखाने के लिए दौरे कराए गए; भाकृअनुप-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के साथ-साथ भाकृअनुप संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, एफपीओ, उद्यमियों, स्टार्ट-अप, सार्वजनिक और निजी कंपनियों की प्रमुख प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और सेवाओं का प्रदर्शन किया गया; तथा उन्नत कृषि-विकसित भारत विषय पर आयोजित तकनीकी सत्रों के दौरान किसानों व वैज्ञानिकों के बीच पारस्परिक बैठकें भी आयोजित की गईं।

- भाकृअनुप संस्थानों, कृषि विश्वविद्यालयों, सार्वजनिक एवं निजी संस्थानों, कृषि उद्यमियों के कुल 245 स्टॉल लगाए गए।
- किसानों को उचित दर पर धान, मूंग, अरहर, बाजरा तथा सब्जी फसलों का 1800 क्विंटल से भी अधिक बीज उपलब्ध कराया गया। किसानों और अन्य हितधारकों को ऑन-स्पॉट परामर्श प्रदान किए गए।
- सभी हितधारकों में प्रौद्योगिकियों पर विस्तार साहित्य वितरित किया गया।

<u>(घ) एवं (ङ) :</u> मेले की कुछ प्रमुख घोषणाओं में शामिल है; ''कृषि चौपाल - विज्ञान से किसान तक'' का सुपरविजन एवं प्रौद्योगिकियों के प्रसार में आईएआरआई पुरस्कार प्राप्त/इनोवेटिव किसानों आदि की भागीदारी।

****